# समुद्री कछुओं की हैचरी सम्हालने के उचित तरीके

समुद्री कछुओं के घोसलों को संरक्षण, शोध (रिसर्च) और आउटरीच के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है। संरक्षण की दृष्टि से, घोसले को हैचरी (कृत्रिम तरीके से अंडे देने वाली जगह) मे तभी ले जाएँ जब यह बहुत ज़रुरी हो, जैसे जब घोसले को शिकारी जानवरों से, ज्वार (बड़ा पानी) के पानी से, और ऐसे अन्य कारणों से खतरा हो।

✓ हैचरी ज्वार (बड़ा पानी) की सीमा से लगभग 20-30 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए।

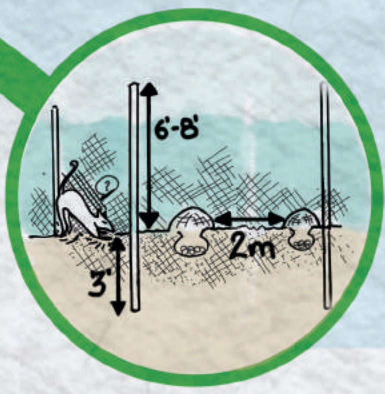


✓ हैचरी को डंडों और प्लास्टिक/धातु की जाली से बनाएं; घोसलों के बीच मे कम से कम 2 मीटर का अंतर रखें।

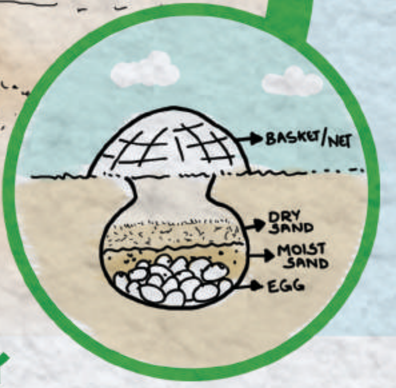


✓ हैचरी मे घोसले का आकार प्राकृतिक घोसलों के जैसा होना चाहिए। अंडों को पहले गीली रेत से, फिर बाद मे ऊपर से सूखी रेत से ढकना चाहिए।

✓ बुनियादी जानकारी घोसले के पास एक बोर्ड पर लिखें, तथा विस्तृत जानकारी अलग से एक पुस्तक मे लिखें।

✓ घोसलों से बच्चे निकलने का समय निकट आने पर हर घोसले को टोकरी/जाली से ढक कर रखें ।

✓ नवजात कछुओं को अंडों से निकलने के तुरंत बाद रात के समय छोड़ें और उन्हें समुद्र के किनारे रेत पर खुद से चल कर समुद्र की तरफ जाने दें।

✗ आप जिस जगह हैचरी बनाना चाहते हैं वहाँ कोई पेड़-पौधे अथवा जड़ें नही होनी चाहियें।

✗ नवजात कछुओं को कभी भी पानी अथवा रेत से भरी बाल्टियों में मत रखें।

✗ हैचरी को लगातार एक ही स्थान पर मत बनाएं। इससे अंडों में फफूंद और कीटाणु लगने का खतरा कम हो जाता है।

✗ सारे नवजात कछुओं को हर दिन एक ही स्थान से मत छोड़ें।

ANF
WILDLIFE WITHOUT BORDERS
ANET
ISSF INTERNATIONAL SEAFOOD SUSTAINABILITY FOUNDATION
THE POLLINATION PROJECT
dakshin